धन कमाने का नहीं, दुआ कमाने का लक्ष रखो

– ब्रहमाकुमारी शिवानी

सुरत. “अवेकनिंग विथ ब्रहमाकुमारीझ” फेम और आंतरराष्ट्रिय वक्ता ब्रहमाकुमारी शिवानीबहन ने कहा कि डॉक्टरों के पास मरीज़ डर, दर्द और विश्वास लेकर आता है उसको अपने क्लिनिक या अस्पताल के वातावरण से शांति, प्रेम और खुशी देना डॉक्टरों का मुख्य कर्तव्य है, उसका शोषण करनेवाले कर्म से बचना चाहिए. दर्द में आये हुए व्यक्ति को और ज्यादा दर्द नहीं देना है. प्यार और धैर्य देना है. धन कमाना हमारी प्राथमिकता नही होनी चाहिए. दुआ कमाऐंगे तो धन पीछे पीछे स्वतः आयेगा.

यहा एक मेडिकल कोन्फरन्स मे सुरत की तबीबी आलम को सम्बोधित करते हुए उन्होने आगे कहा कि डॉक्टरो को मरीज़ की बीमारी को जड से निकालना है. डोक्टरो को मरीज़ के साथ अपनी शब्दावली में नही लेकिन मरीज़ की शब्दावली में बात करनी चाहिए. आमतौर पर डोक्टर अपनी जो मान्यता है उसीसे मरीज़ का उपचार करता है. मांसाहारी डॉक्टर शाकाहारी मरीज़ को भी मांसाहार लेने के लिए कहेगा. शाकाहारी डॉक्टर कहेगा कि मांसाहार में ही प्रोटिन है ऐसा नही है, शाकाहार में भी भरपुर प्रोटिन मिलता है.

ब्रहमाकुमारी शिवानीबहन ने डॉक्टरो को उनके अस्पताल का वातावरण प्रेम और खुशीवाला बनाने पर ज़ोर देते हुए कहा कि ऐसे वातावरण में आने से ही मरीज़ की बीमारी आधी ठीक हो जाती है. उन्होने कहा कि शांति के बदले अशांति, प्रेम के बदले गुस्सा और खुशी के बदले तनाव स्वाभाविक हो गये है इसलिए ब्लड प्रेशर और डायाबिटीज भी स्वाभाविक हो गया है.

अंत में उन्होने उपस्थित सभी डॉक्टरो को हर रोज राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करने का सुझाव देते हुए कहा कि हमे एक बार सुप्रिम डॉक्टर, सप्रिम सर्जन की ओर जरूर देख लेना चाहिए. किसी मरीज़ का उपचार या सर्जरी करने के समय अगर कोई वरीष्ठ डॉक्टर आपके साथ उपस्थित होता है तो आप उनकी ओर एक बार देख लेते है ना ?

इस कॉन्फरन्स में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सुरत चेप्टर के इन्चार्ज प्रेसिडन्ट डॉक्टर दलवाडी, सचिव डॉक्टर टोनी निकोलस, कई भूतपुर्व प्रसिडेन्ट सहित करीब 850 डॉक्टर्स उपस्थित रहे. सभी ने कार्यक्रम को बहुत सराहा.दिल्ली के कार्डियोलेजिस्ट डॉक्टर मोहित गुप्ता ने ‘ब्लेन्डिंग सायन्स एन्ड स्प्रीच्युआलीटी’ विषय पर वक्तव्य दिया. सुरत सबझोन की संचालिका ब्रहमाकुमारी रंजनबहन और डॉक्टर दलवाडीने सभी का स्वागत किया. फॅमिली फिजिशियन एसोसिएशन ऑफ सुरत ने ब्रहमाकुमारी शिवानीबहन और डॉक्टर गुप्ता का स्मृति चिन्ह देकर सन्मान किया.